17/04/2020

'संतोष ही सबसे बड़ा धन'

मनुष्य के लिए संतोष सबसे बड़ा धन होता है जब तक हर मनुष्य के पास संतोष रूपी धन नहीं होगा तब तक हर व्यक्ति अपना जीवन खुशी से नहीं जी सकता क्योंकि हम सोना, चाँदी और पैसों से कोई भी वस्तु खरीद सकते हैं पर मन की शांति नहीं खरीद सकते। संतोष रूपी धन से मनुष्य का जीवन खुशियों से भर जाता है।

मनुष्य की इच्छाओं का कभी भी अंत नहीं होता यदि उसे कुछ पाने की इच्छा होती है तो वह उसको मिल जाता है जितना उसको मिलता है उससे और अधिक पाने की इच्छा उसके मन में आ जाती है। और उसका मन अशांत ही रहता है और जिंदगी असंतोष में बीतने लगती है और वह अपना जीवन अंधकार में धकेल देता है उस व्यक्ति को यह पता नहीं होता कि धन से हम वस्तु तो खरीद सकते हैं लेकिन मन की शांति कभी भी नहीं खरीद सकते। अगर हमको मन की शांति चाहिए तो हमारे जीवन में हमें संतोष रखना होगा। जब हमारे जीवन में संतोष रूपी धन आ जाएगा तो हमारा मन शांत रहेगा और हमारी जिंदगी खुशियों से भर जायगी।

कुछ लोग धन प्राप्ति के लिए लड़ाई करते हैं तो कुछ लोग ऐसे ऐसे गलत काम करने लगते हैं जिसके कारण दूसरों को हानि पहुंचती है। यह सब वह लोग करते हैं जिनके पास संतोष रूपी धन नहीं होता और जिस व्यक्ति के पास संतोष रूपी धन होता है वह व्यक्ति संसार में अच्छे काम करते हैं और वह व्यक्ति जो काम करते हैं उनके कर्मों से उनका मन भी खुश रहता है और उनके साथ-2 सभी को उनके कामों से खुशी मिलती है। इसलिए हमारे जीवन में संतोष रूपी धन होना आवश्यक है जिससे हमारी जिंदगी खुशी से बीते।

सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

17.04.2020 (19)

लिखने-पढ़ने की सामान्य समझ रखने वाले साधारण लोगों द्वारा जो कुछ भी किसी भी विषय पर आधारित उद्देश्य रहित या उद्देश्यपूर्ण लेखन किसी भी भाषा में किया जाता है, जैसे कि पत्र लिखना, सामान्य विचारों का लेखन, डायरी लिखना, परस्पर व्यवहार हेतु पत्र आदि लिखना, कहीं पर कुछ लिखी हुई सामग्री को देखकर फिर से लिखना, अपना मत, सलाह, आदि लिखना सामान्य लेखन कहलाता है।

ठीक उसके विपरीत किसी लेखक द्वारा, अपने रचनात्मक कौशल का प्रयोग करके कोई कहानी, लेख, कविता, उपन्यास, नाटक, एकांकी, संस्मरण आदि किसी सामाजिक या आत्मसुख के उद्देश्य की पूर्ति के लिए लिखा गया लेखन रचनात्मक लेखन कहलाता है। इस प्रकार के लेखन का उद्देश्य पाठकों को कोई विशेष संदेश देना होता है।

विभिन्न भाषाओं में जो भी रचनात्मक लेखन है वह उसी प्रकार का है। विशिष्ट साहित्यकारों द्वारा समय-2 पर अपनी रचनात्मकता के साथ कुछ-न-कुछ लिखा जाता रहा है और वैसे ही रहता है। मीडिया के आने से हुई तकनीकी क्रांति के चलते मीडिया में ऐसे में भी रचनात्मक लेखन जुड़ता जा रहा है। विज्ञापन लेखन, धारावाहिक लेखन, स्लोगन लेखन, फिल्म लेखन, समाचार लेखन, आदि भी रचनात्मक लेखन के अंतर्गत आते हैं।

इंटरनेट के बढ़ते हुए प्रयोग के फलस्वरूप ब्लॉग लेखन, फेसबुक लेखन, whatsapp संदेश लेखन और ट्वीट लेखन भी आज-कल अपनी रचनात्मकता को